**Title:** Need to place adequate orders with Loco and Carriage Works in Ajmer, Rajasthan.

**प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) :** सभापति जी, अजमेर को रेलवे शहर के नाम से जाना जाता है। यहां रहने वाले अधिकांश मध्यमवर्गीय लोग रेलवे कारखानों के ऊपर ही निर्भर करते हैं। अजमेर में स्थित लोको एवं कैरीज कारखाने यहां की अर्थव्यवस्था के मूल आधार हैं। इस समय दोनों कारखानों में लगभग 15 हजार से ऊपर श्रमिक कार्यरत् हैं। इन कारखानों को बने हुए लगभग 100 वर्ा से ऊपर का समय हो गया। समय-समय पर इन कारखानों के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया चलती रही है और उसमें करोड़ों रुपये के लागत की नई मशीनें और प्लांट स्थापित किये गये हैं। परन्तु अब मीटरगेज को ब्रोडगेज में बदल देने के बाद जहां मीटरगेज का काम बहुत कम रह गया है वहीं ब्रोडगेज की आवश्यकताओं के अनुरुप और इन कारखानों की क्षमता के अनुरुप बड़े पैमाने पर रेलवे का कार्य उपलब्ध नहीं हो पा रहा है जिसके कारण श्रमिकों की नई भर्ती बंद हो गयी है और रिक्त होने वाले स्थानों पर भी नई नियुक्तियां नहीं हो पा रही हैं। इन कारखानों के कारण ही अजमेर को औद्योगिक दृटि से पिछड़ा घोति नहीं किया गया।

अतः भारत सरकार से अनुरोध है कि अजमेर स्थित इन लोको एवं कैरीज कारखानों की क्षमता एवं कुशलता का पूरा-पूरा लाभ उठाने के लिए ब्रोडगेज की आवश्यकताओं के अनुरुप अधिक कार्य उपलब्ध कराया जाये तथा ब्रोडगेज के अनुरुप आधुनिकतम मशीनों का उपयोग प्रारंभ किया जाये एवं नई भर्ती पर लगी रोक को अविलम्ब हटाकर सभी रिक्त स्थान भरे जायें।